रविवार, 14 जून, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

'एक-एक मैच जीतना जरूरी'
विश्व कप को लेकर बोले क्रिस्टियानो रोनाल्डो

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

OTT पर छाई सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म 'द ममी'

Page-05

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के नीस पहुंचे, जहां भारतीय समुदाय ने उनका भव्य स्वागत किया। वह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं।

फ्रांस दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी,

भारत-फ्रांस रिश्तों को मिलेगी नई मजबूती

- **फ्रांस पहुंचे पीएम मोदी, मैक्रों संग अहम द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।**
- **जी-7 सम्मेलन और 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम में भी लेंगे हिस्सा।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पांच दिवसीय विदेश दौरे के पहले चरण में फ्रांस पहुंच गए हैं। फ्रांस के नीस शहर में उनका भव्य स्वागत किया गया, जहां भारतीय समुदाय के लोगों ने उत्साह के साथ उनका अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री इस यात्रा के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और जी-7 शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे।नीस पहुंचने पर एयरपोर्ट से होटल तक प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। होटल परिसर में बड़ी संख्या में मौजूद भारतीय मूल के लोगों ने 'मोदी-मोदी' और 'भारत माता की जय' के नारों के साथ उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसने भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। प्रधानमंत्री मोदी ने वहां मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और उनसे संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कई लोगों से हाथ मिलाया तथा बच्चों से भी आत्मीयता के साथ बातचीत की। एक बच्चे को गोद में लेकर दुलारते हुए प्रधानमंत्री की तस्वीरें भी चर्चा का विषय बनीं। फ्रांस पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए अपने स्वागत के लिए भारतीय समुदाय का आभार व्यक्त किया।अपने दौरे को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह यात्रा भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती प्रदान करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि विभिन्न वैश्विक नेताओं के साथ होने वाली बैठकों से भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंध और अधिक सशक्त होंगे।यात्रा के दौरान नीस में 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें उद्योग जगत, प्रौद्योगिकी और नवाचार क्षेत्र के प्रमुख प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की नवाचार क्षमता और वैश्विक निवेश संभावनाओं को प्रदर्शित करना है।प्रधानमंत्री मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भी हिस्सा लेंगे, जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी सहयोग और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। सम्मेलन के दौरान उनकी कई विश्व नेताओं से मुलाकात होने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भी उनकी द्विपक्षीय वार्ता हो सकती है।

तेलंगाना में आधी रात भूकंप के झटके, भद्राद्री कोठागुडेम में 3.8 तीव्रता दर्ज

तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम में आधी रात धरती हिलने लगी। यहां भूकंप के झटके महसूस किए गए। शनिवार और रविवार की दरमियानी रात दो बजकर 26 मिनट के करीब भूकंप महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.8 मैग्नीट्यूड थी। इस तीव्रता के भूकंप कोई बड़ा नुकसान नहीं करते हैं और इस घटना में भी कोई खास नुकसान नहीं हुआ। देर रात होने के कारण अधिकतर लोग सो रहे थे और उन्हें भूकंप का पता भी नहीं चला। हालांकि, तीव्रता 6 से ज्यादा होने पर भारी नुकसान हो सकता था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में रिक्टर स्केल पर 3.8 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप के झटके देर रात दो बजकर 26 मिनट के करीब महसूस किए गए। भूकंप केंद्र की गहराई मात्र 10 किलोमीटर थी। अभी तक किसी जान-माल की हानि या नुकसान की कोई खबर नहीं है। स्थानीय लोगों ने हल्के झटके महसूस किए, लेकिन यह इतना कमजोर था कि बड़े पैमाने पर कोई असर नहीं पड़ा। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल या आधुनिक मॉमेंट मैग्नीट्यूड स्केल पर मापी जाती है। यह लॉगरिदमिक स्केल है। हर 1 पॉइंट बढ़ने पर कंपन की ताकत 10 गुना और ऊर्जा लगभग 31-32 गुना बढ़ जाती है। 3.8 तीव्रता का भूकंप सुरक्षित श्रेणी में आता है। ज्यादातर लोग इसे महसूस कर सकते हैं, लेकिन इमारतें टूटने या बड़े नुकसान की संभावना न के बराबर होती है।

जेपी नड्डा का कांग्रेस पर हमला

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने 13 जून को कांग्रेस के नेतृत्व वाली हिमाचल प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया कि वह केंद्र से मिली बड़ी मदद को विकास कार्यों में बदलने में नाकाम रही है। उन्होंने अहम इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थकेयर और औद्योगिक प्रोजेक्ट्स में देरी के लिए प्रशासनिक अक्षमता और दूरदर्शिता की कमी को जिम्मेदार ठहराया। शिमला में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए नड्डा ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में राज्य को हर संभव मदद दी है, लेकिन राज्य प्रशासन ने इन संसाधनों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल नहीं किया है। उन्होंने मोदी के कार्यकाल के दौरान BJP के नेतृत्व वाली NDA सरकार की उपलब्धियों पर ज़ोर दिया और बताया कि हिमाचल प्रदेश की जनता ने लगातार तीन आम चुनावों में सभी चार लोकसभा सीटों पर B J P उम्मीदवारों को चुनकर पार्टी के विकास के नज़रिए पर अपनी मुहर लगाई है। हाल ही में हुए स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों के नतीजों का ज़िक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि ये नतीजे राज्य में कांग्रेस सरकार के प्रति जनता की बढ़ती नाराज़गी को दर्शाते हैं। नड्डा ने हिमाचल प्रदेश को केंद्र से मिलने वाली आर्थिक मदद के बारे में विस्तार से बताया। इसमें स्पेशल असिस्टेंस स्कीम के तहत 2,381 करोड़ रुपये, नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड (NDRF) से 2,006 करोड़ रुपये और 2024-25 के दौरान बाहरी मदद वाले प्रोजेक्ट्स के लिए 2,150 करोड़ रुपये शामिल हैं।

राम मंदिर दान विवाद की SIT जांच शुरू,

वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों से मचा हड़कंप

अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर से जुड़े दान प्रबंधन को लेकर उठे वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों ने नया मोड़ ले लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष जांच दल (SIT) के गठन का निर्णय लिया है। वहीं, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) ने जांच के दौरान एक युवक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि उससे मामले से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं। यह पूरा मामला तब चर्चा में आया जब श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दान राशि में कथित हेराफेरी और वित्तीय गड़बड़ियों की उच्च स्तरीय जांच कराने का अनुरोध किया। ट्रस्ट का कहना है कि मंदिर में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु आस्था के साथ दान करते हैं, इसलिए इस मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच आवश्यक है। ट्रस्ट का मानना है कि जांच से सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर फैल रही अफवाहों पर भी विराम लगेगा।विवाद की शुरुआत पूर्व मुख्य लेखा अधिकारी महिपाल सिंह के आरोपों से हुई। उन्होंने दावा किया कि दान की गिनती के दौरान उन्होंने लगभग पांच लाख रुपये नकद की कथित चोरी पकड़ी थी। उनका आरोप है कि वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी देने के बाद कार्रवाई करने के बजाय उन्हें पद से हटा दिया गया। महिपाल सिंह ने यह भी कहा कि मंदिर परिसर के कुछ सीसीटीवी फुटेज हटाए गए थे और सोना, चांदी सहित अन्य कीमती चढ़ावों का कोई पारदर्शी डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं था। हालांकि, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि दान संग्रहण, गिनती और बैंक में जमा करने की पूरी प्रक्रिया कंप्यूटरीकृत और पारदर्शी है। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था का नियमित ऑडिट स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों द्वारा किया जाता है और अब तक किसी बड़े वित्तीय घोटाले का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

पटना स्टेशन पर छात्रों का हंगामा,

6 घंटे तक ठप रही रेल सेवा

बिहार के पटना में शनिवार देर रात जमकर हंगामा हुआ। यह हंगामा रविवार सुबह तक जारी रहा। इस दौरान लगभग 6 घंटे तक स्टेशन में छात्रों ने खूब बवाल काटा। रेलवे स्टेशन में तोड़फोड़ की और कई ट्रेनों को भी निशाना बनाया। काफी देर तक पाटलिपुत्र स्टेशन से कोई ट्रेन नहीं रवाना हो सकी। सुबह जाकर मामला शांत हुआ। अधिकरियों का कहना है कि परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था कर दी गई थी और उन्हें समय रहते पहुंचाने की बात भी कही गई थी, लेकिन हंगामा कर रहे लोगों ने उनकी बात नहीं सुनी। इस दौरान भीड़ को काबू करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए। हवाई फायर भी किए गए, लेकिन कुछ काम नहीं आया। बिहार में मद्य निषेध सिपाही, कक्षपाल एवं चलंत दस्ता सिपाही के कुल 4128 पदों के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन 14 जून से 17 जून के बीच हो रहा है। परीक्षा दो शिफ्ट में है। पहली शिफ्ट सुबह 10 बजे और दूसरी दोपहर तीन बजे शुरू होती है। 14 जून को पहली शिफ्ट में जिन छात्रों को परीक्षा देनी थी। वह शनिवार रात रेलवे स्टेशन पहुंचे, लेकिन भीड़ के कारण ट्रेन में चढ़ नहीं सके। ऐसे में उन्होंने ट्रेन को आगे जाने से रोक दिया और हंगामा शुरू हो गया। पटना के डीएम डॉ. त्यागराजन ने बताया, "आधी रात के आस-पास, हमें जानकारी मिली कि कुछ लोग हंगामा कर रहे हैं। हमने उनसे बार-बार कहा कि वे हंगामा न करें और जो एग्जाम देना चाहते हैं, उनके साथ कोऑपरेट करें। लेकिन, कुछ असामाजिक तत्वों ने बार-बार इमरजेंसी चेन खींची और अलग-अलग मांगें रखीं, जैसे स्पेशल ट्रेनों की रिक्वेस्ट, जबकि दो स्पेशल ट्रेनें पहले से ही अवेलेबल थीं। उन्होंने उन स्टूडेंट्स को भी रोका जो जाना चाहते थे। इन दिक्कतों की वजह से, हमें हल्का फोर्स इस्तेमाल करना पड़ा।

रूसी तेल खरीद पर भारत को फ़िनलैंड का समर्थन, जयशंकर ने दिया करारा जवाब

रूस से तेल खरीद को लेकर भारत को फ़िनलैंड का समर्थन मिला है। फ़िनलैंड ने कहा कि भारत ने प्राइस कैप नियमों का पालन किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हित और उपलब्धता पर आधारित है।

रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठ रहे सवालों के बीच भारत को फ़िनलैंड से महत्वपूर्ण समर्थन मिला है। फ़िनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनन ने स्पष्ट किया है कि भारत ने यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों द्वारा निर्धारित तेल मूल्य सीमा (प्राइस कैप) व्यवस्था के दायरे में रहकर ही रूसी तेल की खरीद की है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की नीति का उद्देश्य रूस से तेल खरीद को पूरी तरह रोकना नहीं था, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित न हो और रूस को अत्यधिक आर्थिक लाभ न मिल सके। फ़िनलैंड में आयोजित प्रतिष्ठित 'कुलतारंता टॉक्स' के दौरान एक पैनल चर्चा में बोलते हुए वाल्टोनन ने कहा कि भारत के पक्ष में यह कहा जा सकता है कि उसने प्राइस कैप व्यवस्था का पालन करते हुए तेल खरीदा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब पश्चिमी देशों ने रूसी तेल पर मूल्य सीमा लागू की थी, तब उनका मकसद वैश्विक ऊर्जा बाजार को बाधित करना नहीं था। इसके विपरीत, यह कदम इसलिए उठाया गया था ताकि दुनिया में ऊर्जा आपूर्ति बनी रहे और रूस के राजस्व पर नियंत्रण रखा जा सके। इस चर्चा में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, फ़िनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनन और संयुक्त अरब अमीरात की सहायक विदेश मंत्री लाना नुसेबेह भी शामिल थीं। इस दौरान जयशंकर ने भारत की ऊर्जा नीति का मजबूती से बचाव करते हुए कहा कि भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और तेल खरीद के निर्णय व्यावहारिक आवश्यकताओं के आधार पर लिए जाते हैं, न कि राजनीतिक गठबंधनों के आधार पर। रूस से तेल आयात पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत हमेशा कीमत और उपलब्धता को ध्यान में रखकर ऊर्जा खरीदता है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को पूरी तरह बदल दिया था। उस समय यूरोपीय देश मध्य पूर्व से बड़े पैमाने पर तेल खरीद रहे थे, जो भारत का पारंपरिक आपूर्तिकर्ता क्षेत्र रहा है। ऐसे हालात में भारत के सामने ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने के लिए वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करना आवश्यक हो गया था। विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि उस दौर में अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध अतिरिक्त तेल का बड़ा हिस्सा रूस से ही आ रहा था। इसलिए भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों और ऊर्जा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया। जयशंकर ने पश्चिमी देशों के रवैये में दिखाई देने वाले विरोधाभासों की ओर भी संकेत किया। उन्होंने कहा कि उस समय अमेरिका ने स्वयं भारत को वैश्विक तेल बाजार को स्थिर बनाए रखने के लिए रूस से तेल खरीद जारी रखने की सलाह दी थी।जयशंकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस विषय को किसी वैचारिक या राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक यथार्थ के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। फ़िनलैंड की विदेश मंत्री के समर्थन ने भारत के इस तर्क को और मजबूती दी है कि रूस से तेल खरीद का निर्णय अंतरराष्ट्रीय नियमों के दायरे में और राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर लिया गया था। इससे वैश्विक मंच पर भारत की ऊर्जा नीति को नई वैधता और समर्थन मिला है।

अमित शाह ने सीमावर्ती जिलों के अध्ययन के दिए निर्देश

गृह मंत्री अमित शाह ने आज आबादी में बदलाव पर एक बैठक की अध्यक्षता की और आयोग को सीमावर्ती ज़िलों में आबादी में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान, श्री शाह ने आयोग को हालात का जायज़ा लेने के लिए सीमावर्ती इलाकों, मेट्रो शहरों और औद्योगिक कस्बों का दौरा करने का भी निर्देश दिया। इससे पहले पिछले महीने, केंद्र सरकार ने अवैध आप्रवासन और अन्य असामान्य कारणों से आबादी में होने वाले बदलावों का अध्ययन करने और उनसे निपटने के उपाय सुझाने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया था। अधिकारियों ने बताया कि समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने समिति से कहा कि वह अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से आए बदलावों का आकलन करने के लिए सीमावर्ती इलाकों, मेट्रो शहरों और औद्योगिक कस्बों का दौरा करे। इस कमिटी के प्रमुख सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नाओलेकर हैं। इसके सदस्यों में जनगणना आयुक्त के साथ-साथ रिटायर्ड IAS अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, पूर्व IPS अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव और डॉ. शमिका रवि शामिल हैं। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (विदेशी-I) इस कमिटी के सदस्य सचिव हैं। पिछले महीने कमिटी के गठन की घोषणा करते हुए, शाह ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि डेमोग्राफिक बदलाव (जनसांख्यिकीय बदलाव) एक गंभीर मुद्दा है। यह न केवल देश की संप्रभुता से जुड़ा है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, सामाजिक ढांचे में बड़े बदलाव और आदिवासी समाज के संरक्षण से भी जुड़ा है।

राज्यसभा में PM बोले-कांग्रेस के वक्त डील यानी बोफोर्स घोटाला

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे देश के अगले थल सेना प्रमुख

सरकार ने एक बयान में कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को शनिवार को अगला सेना प्रमुख (COAS) नियुक्त किया गया है और वे 30 जून को अपना पद संभालेंगे। रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि मुझे राष्ट्रपति की मंज़ूरी से यह बताने का निर्देश दिया गया है कि लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ (PVSM, UYSM, AVSM) को 30 जून, 2026 से जनरल के पद पर अगला 'चीफ़ ऑफ़ आर्मी स्टाफ़' (थल सेना प्रमुख) नियुक्त किया गया है। वे जनरल उपेंद्र द्विवेदी (PVSM, AVSM) की जगह लेंगे और उनका कार्यकाल 31 अगस्त, 2028 तक होगा। लेफ्टिनेंट जनरल सेठ अभी 'वाइस चीफ़ ऑफ़ आर्मी स्टाफ़' (VCOAS) के तौर पर काम कर रहे हैं; उन्होंने इस साल अप्रैल में यह पद संभाला था। मौजूदा आर्मी चीफ़ जनरल उपेंद्र द्विवेदी के 30 जून को रिटायर होने के बाद, वे आर्मी चीफ़ का पद संभालेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल सेठ खड़कवासला स्थित नेशनल डिफेंस एकेडमी के पूर्व छात्र हैं और दिसंबर 1986 में उन्हें 'आर्मर्ड कॉर्प्स' में कमीशन मिला था। लगभग चार दशकों के करियर में, लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को

ऑपरेशनल, रणनीतिक, क्षमता विकास और संस्थागत क्षेत्रों में व्यापक अनुभव मिला है। सरकार के बयान में कहा गया है कि उनकी कमांड असाइनमेंट में रेगिस्तानी इलाके में एक आर्मर्ड रेजिमेंट, वेस्टर्न थिएटर में एक आर्मर्ड ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में एक काउंटर-इंसर्जेंसी फोर्स की कमान संभालना शामिल है। अगले COAS ने सेना के प्रमुख स्ट्राइक फॉर्मेशन में से एक, सुदर्शन चक्र कोर की कमान संभाली है; दिल्ली एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के तौर पर काम किया है; और साउथ वेस्टर्न कमांड और सदर्न कमांड की कमान भी संभाली है।

ट्रंप और नेतन्याहू की बातचीत ने बदला घटनाक्रम

एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने बताया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा है कि ईरान के साथ कुछ ही दिनों में शांति समझौता हो सकता है। ट्रंप ने नेतन्याहू से फ़ोन पर बातचीत के दौरान कहा, यह डील है। यह एक बहुत अच्छी डील है और अब इस युद्ध को खत्म करने का समय आ गया है। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब वॉशिंगटन और तेहरान, दोनों जगहों के अधिकारियों का कहना है कि समझौता होने के करीब है, हालांकि इसे अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, नेतन्याहू को यह एहसास हो गया था कि वे ट्रंप को इस डील को आगे बढ़ाने से नहीं रोक सकते। बताया जाता है कि बातचीत के दौरान इज़राइली नेता ने ट्रंप से कहा कि उन्हें भरोसा है कि अंतिम समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी चिंताओं का समाधान किया जाएगा। यह घटनाक्रम नेतन्याहू के पहले के रुख़ में एक बड़ा बदलाव दिखाता है। संघर्ष की शुरुआत से ही उनका तर्क था कि युद्ध से तेहरान में सत्ता परिवर्तन हो सकता है। अब, जब कुछ ही महीनों में चुनाव होने वाले हैं, उनके राजनीतिक विरोधियों ने उन पर आरोप लगाया है कि ट्रंप की शांति शर्तों को मानकर उन्होंने इज़राइल को एक "आश्रित देश" (vassal state) बना दिया है। अधिकारियों ने बताया कि नेतन्याहू ने इस हफ़्ते की शुरुआत में ईरान के ऊर्जा और बुनियादी ढाँचे के ठिकानों पर बड़े हमले करने की योजना बनाई थी, लेकिन ट्रंप ने आख़िरी समय में इस कदम को रोक दिया। ट्रंप की इस सार्वजनिक घोषणा से नेतन्याहू हैरान रह गए कि एक समझौता हो चुका है।

युद्धविराम के दावों के बीच बढ़ा भ्रम, अमेरिका और ईरान के बयान आमने-सामने

ईरान ने अमेरिका की डील को ठुकरा दिया है। ट्रंप एक तरफ व्हाइट हाउस में मीटिंग कर रहे हैं और पत्रकारों से कह रहे हैं कि उनकी ईरान के साथ डील हो गई है। ईरान अमेरिका की सारी शर्तों को मानने पर राजी भी हो गया है। दूसरी तरफ ईरान ने साफ कह दिया है कि उसने अमेरिका की ना तो कोई शर्त मानी है और ना ही अमेरिका और ईरान की कोई डील हुई है। यानी कि हमले जरूर थम चुके हैं लेकिन युद्ध अभी तक थमा है या नहीं। इसको लेकर अभी भी कंफ्यूजन बाकी है। ट्रंप का दावा है कि अमेरिकी सैनिकों का एक छोटा समूह कल ही ईरान में घुसकर पूरे ईरान पर कब्जा कर सकता है। साथ में यहां पर यह भी कहा गया है कि अगर मैं चाहूं तो यानी कि यह बात डॉनल्ड ट्रंप कह रहे हैं। एक और ईरान इंटरनेशनल इंग्लिश की खबर है। इसमें ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका आज रात ईरान पर और भी बड़े हमले और शक्तिशाली बम हमले करेगा और कहा कि अमेरिका अभी भी तेहरान से बातचीत कर रहा है। लेकिन उनकी प्राथमिकता ईरान के तेल व्यापार केंद्र खर्ग द्वीप पर कब्जा करना है। यानी कि ईरान में कब्जा करने और ईरान में जमीन पर सैनिक उतारने, बड़ा हमला करने की धमकी ट्रंप ने ईरान को एक रात पहले दे दी थी। कुछ ही घंटों के

बाद भारत के समय के मुताबिक कहें तो रात से दिन हुआ और खबर ये आ गई कि डॉनल्ड ट्रंप ने अब हमला करने का जो अपना प्लान था वो टाल दिया है। व्हाइट हाउस ने बयान जारी किया और कहा कि डॉन्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिका ने ईरान पर अपने हमलों को रोक दिया है क्योंकि ईरान ने अमेरिका की डील को मान लिया है। स्वीकार कर लिया है। अमेरिका का दावा है और डॉनल्ड ट्रंप का दावा है कि ईरान ने अमेरिका की सारी शर्तों को मान लिया है जो ईरान के आगे उन्होंने रखी थी। इसमें ईरान के न्यूक्लियर हथियार एनरिच यूरेनियम से जुड़ी हुई शर्तें हैं जो ईरान ने मान ली है। ये अमेरिका का दावा है। लेकिन इसी दावे पर इसी खबर पर अब ईरान की ओर से जवाब आ चुका है। द हॉर्मोज लेटर के हवाले से खबर है जिसमें यह लिखा है कि ईरान के विदेश मंत्रालय ने ट्रंप के इस नए दावे को सिरे से खारिज कर दिया है कि ईरान में सर्वोच्च नेता समेत सभी ने समझौते को मंजूरी दे दी है।

संपादक की कलम से

विकास एक ऐसा व्यापक शब्द है, जो केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं है। यह समाज, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, तकनीक, संस्कृति और पर्यावरण सहित जीवन के सभी पहलुओं को प्रभावित करता है। किसी राष्ट्र की प्रगति को सही मायनों में मापने के लिए केवल जीडीपी या औद्योगिक उत्पादन को ही नहीं देखा जाता, बल्कि उसके नागरिकों की जीवन गुणवत्ता, सामाजिक संरचना और समान अवसरों की उपलब्धता को भी ध्यान में रखा जाता है।विकास का पहला और सबसे महत्वपूर्ण आयाम है आर्थिक विकास। जब किसी देश या क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और लोग अपने जीवन स्तर को सुधार पाते हैं। उदाहरण के तौर पर, औद्योगिक निवेश, नई तकनीक और स्टार्टअप संस्कृति आर्थिक विकास को तेज करती हैं। लेकिन केवल आर्थिक वृद्धि से ही विकास पूरा नहीं होता। आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचना जरूरी है। इसीलिए सामाजिक विकास भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, महिला सशक्तिकरण और दलित-पिछड़े वर्गों के लिए समान अवसर समाज के संतुलित विकास में योगदान देते हैं।विकास का तीसरा आयाम है अंतरसंस्कृतिक और नैतिक विकास। किसी भी समाज की प्रगति तभी स्थायी होती है जब उसके नागरिकों में सामाजिक जिम्मेदारी, नैतिक मूल्य और सहयोग की भावना विकसित हो। केवल भौतिक विकास से समाज में असमानता और सामाजिक तनाव बढ़ सकते हैं। इसलिए शिक्षा, नैतिक प्रशिक्षण और सांस्कृतिक जागरूकता के माध्यम से सामाजिक विकास को बढ़ावा देना आवश्यक है।आज का विकास तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति के बिना अधूरा है। इंटरनेट, डिजिटल तकनीक, स्मार्ट शहर, और आधुनिक कृषि पद्धतियाँ समाज और राष्ट्र को तेजी से आगे बढ़ाती हैं। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसे कार्यक्रम युवाओं को अवसर देते हैं और देश की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाते हैं। इसके साथ ही, विज्ञान और तकनीक स्वास्थ्य, परिवहन, ऊर्जा और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भी सुधार लाती है।

बिहार में बड़े पुलों की सुरक्षा जांच पूरी,

23 पुल गंभीर श्रेणी में; युद्धस्तर पर शुरू होगा मरम्मत कार्य

बिहार में 60 मीटर से अधिक लंबाई वाले 638 पुलों की जांच पूरी हो गई है। इनमें 23 पुल गंभीर स्थिति में पाए गए। मरम्मत, सुदृढ़ीकरण और नए पुल निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

बिहार में पुलों की सुरक्षा और संरचनात्मक मजबूती सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पथ निर्माण विभाग ने राज्यभर के 60 मीटर से अधिक लंबाई वाले पुलों की व्यापक जांच कराई है। जांच रिपोर्ट की समीक्षा शनिवार को पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल की अध्यक्षता में विभागीय सभाकक्ष में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में की गई। बैठक में विभाग के वरिष्ठ अभियंताओं तथा बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड (बीआरपीएनएनएल) के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया कि राज्य में 60 मीटर से अधिक लंबाई वाले कुल 638 पुलों को चिन्हित कर उनकी तकनीकी जांच पूरी कर ली गई है। इन पुलों में पश्चिम चंपारण के 49, मुजफ्फरपुर के 39, अररिया के 38, किशनगंज के 37, पटना और कटिहार के 36-36, सुपौल के 35, पूर्वी चंपारण के 30, दरभंगा के 29 तथा पूर्णिया के 27 पुल शामिल हैं। इसके अलावा गया, नवादा, जमुई, सहरसा समेत अन्य जिलों के पुलों का भी विस्तृत निरीक्षण किया गया। जांच रिपोर्ट में कुल 23 पुलों की स्थिति गंभीर पाई गई है। इनमें से 10 पुलों पर मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का कार्य पहले ही शुरू कर दिया गया है। वहीं पांच अत्यंत संवेदनशील स्थलों पर नए पुलों के निर्माण का निर्णय लिया गया है। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए चार पुलों पर भारी वाहनों के परिचालन पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है। इन पुलों पर फिलहाल केवल हल्के और छोटे वाहनों को चलने की अनुमति दी गई है।बैठक में यह भी बताया गया कि एक अन्य संवेदनशील स्थान पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक डायवर्जन मार्ग का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त आठ पुलों के रखरखाव एवं मरम्मत कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर संबंधित कार्यों को तत्काल शुरू कराया जाए।जांच के दौरान 50 अन्य पुलों में सामान्य मरम्मत और सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता भी चिन्हित की गई है। इन सभी पुलों पर विभागीय अभियंताओं की निगरानी में कार्य तेजी से कराया जा रहा है। सचिव पंकज कुमार पाल ने प्रत्येक पुल की जांच रिपोर्ट का विस्तार से अवलोकन किया और अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि राज्य के अत्यंत महत्वपूर्ण और लाइफलाइन माने जाने वाले 250 मीटर से अधिक लंबाई के 47 पुलों की जांच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) पटना द्वारा कराई गई है। संस्थान की प्रारंभिक रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है और उसके आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। सचिव ने कहा कि पुलों की सुरक्षा के लिए सतत निगरानी तंत्र को और मजबूत बनाया जाना चाहिए, ताकि किसी भी संभावित क्षति की समय रहते जानकारी मिल सके और दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि जिन प्रमंडलों में कार्य की गति धीमी पाई जाएगी या गुणवत्ता में कमी मिलेगी, वहां संबंधित अभियंताओं के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार राज्य में सुरक्षित, सुगम और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलों के रखरखाव और सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

तृणमूल कांग्रेस में बढ़ी बगावत, सांसदों और विधायकों का शक्ति प्रदर्शन

तृणमूल कांग्रेस के सीनियर सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने शनिवार को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और बीजेपी नेताओं से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब पार्टी के बागी सांसद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिलकर खुद को असली TMC संसदीय दल के तौर पर मान्यता दिलाने की तैयारी कर रहे हैं। बंद्योपाध्याय के साथ बागी सांसद शताब्दी रॉय भी थीं, हालांकि इस मुलाकात की जानकारी तुरंत नहीं मिल पाई। बागी सांसदों के एक ग्रुप ने सोमवार को भी यादव के घर पर एक बैठक की थी। ये घटनाक्रम ममता बनर्जी की अगुवाई वाली पार्टी के अंदर बढ़ती फूट के बीच सामने आए हैं। बागी सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने दावा किया है कि TMC के 19 लोकसभा सांसद बागी गुट का समर्थन कर रहे हैं। अगर बंद्योपाध्याय उनके साथ जुड़ जाते हैं, तो सदन में उनकी ताकत बढ़कर 20 सांसद हो जाएगी। बागी गुट के एक सूत्र ने बताया कि वे लोकसभा में बंद्योपाध्याय को अपना नेता बनाना चाहते हैं। पार्टी के लोकसभा में 28 और राज्यसभा में 13 सदस्य हैं, जिनमें से अब तक तीन ने इस्तीफ़ा दे दिया है। खास बात यह है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में हार के बाद ममता बनर्जी की पार्टी में बगावत हो गई है। पिछले हफ़्ते, TMC के दो-तिहाई से ज़्यादा विधायकों (80 में से 58) ने पार्टी की आधिकारिक लेजिस्लेचर पार्टी से अलग होकर, पार्टी से निकाले गए विधायक रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल विधानसभा में मुख्य विपक्षी गुट के तौर पर मान्यता हासिल कर ली। बागी गुट ने तब से दावा किया है कि उनकी ताक़त और बढ़ गई है। बाद में यह संकट संसद तक भी पहुँच गया, जहाँ काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में बागी सांसदों ने 20 से ज़्यादा लोकसभा सदस्यों के समर्थन का दावा किया। ऑनलाइन एक ऐसी लिस्ट सामने आई है जिसमें TMC के 19 लोकसभा सांसदों के नाम और हस्ताक्षर हैं, हालांकि स्पीकर को भेजा गया कथित पत्र सार्वजनिक नहीं किया गया है। बागी नेताओं का कहना है कि यह दस्तावेज़ मान्यता पाने की उनकी कोशिश के लिए समर्थन दिखाता है।

पंजाब में समय से पहले हो सकते हैं विधानसभा चुनाव, केजरीवाल के संकेत

आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने संकेत दिया है कि पंजाब विधानसभा चुनाव तय समय से पहले हो सकते हैं। शुक्रवार को बठिंडा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि फरवरी 2027 में होने वाले चुनाव नवंबर 2026 में ही कराए जा सकते हैं। यह बात कहते हुए उन्होंने चुनाव जल्दी होने की संभावना का कोई कारण नहीं बताया। हालांकि, उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से तुरंत तैयारी शुरू करने को कहा और कहा कि अगर चुनाव पहले होते हैं, तो बहुत कम समय बचेगा। भगवंत मान ही AAP के CM पद के उम्मीदवार बने रहेंगे। केजरीवाल ने साफ़ किया कि अगले विधानसभा चुनाव में भी भगवंत मान ही मुख्यमंत्री पद के लिए AAP का चेहरा होंगे। समर्थकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी का ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि मान एक और कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री के तौर पर वापस आएं। केजरीवाल के अनुसार, पिछले चार वर्षों में पंजाब सरकार के कामकाज ने लोगों का भरोसा और समर्थन हासिल किया है। केजरीवाल ने बठिंडा में मुख्यमंत्री भगवंत मान, AAP के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और पंजाब AAP अध्यक्ष अमन अरोड़ा के साथ एक रोड शो में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने हाल के नगर निकाय चुनावों में पार्टी का समर्थन करने के लिए मतदाताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि बरनाला, मोगा, बटाला और बठिंडा नगर निगमों में AAP पार्षद मेयर चुने गए हैं, और इसे पार्टी के कामकाज में जनता के भरोसे का प्रतीक बताया। केजरीवाल ने विरोधी पार्टियों का सीधे नाम लिए बिना उन पर तीखा हमला किया। उन्होंने एक पार्टी को चिट्टा पार्टी, दूसरी को लड़ने वाली पार्टी और तीसरी को ED पार्टी कहा। उन्होंने उन पर ड्रग्स की समस्या से जुड़े होने, आपस में लड़ने और विरोधियों को डराने-धमकाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। इसके उलट, उन्होंने AAP को जन-कल्याण और विकास पर ध्यान देने वाली पार्टी बताया। केजरीवाल ने मुख्यमंत्री के तौर पर भगवंत मान के काम का ज़ोरदार बचाव किया और उन्हें पंजाब के सबसे ईमानदार नेताओं में से एक बताया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों पर अक्सर भ्रष्टाचार और घोटालों के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन दावा किया कि मान के कार्यकाल में उन पर ऐसा कोई आरोप नहीं लगा। केजरीवाल ने यह भी कहा कि अगर कोई गड़बड़ी हुई होती, तो ED और CBI जैसी केंद्रीय एजेंसियां कार्रवाई करतीं।

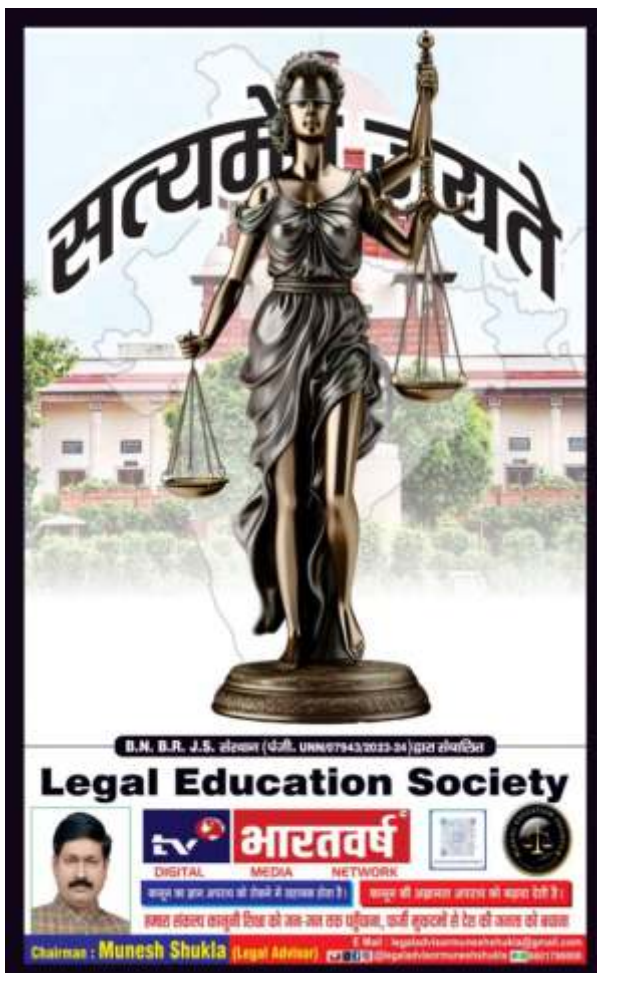

एंथ्रोपिक का बड़ा फैसला,

विदेशी नागरिकों के लिए AI मॉडल अस्थायी रूप से बंद

अमेरिकी सरकार के निर्यात नियंत्रण संबंधी निर्देश के बाद कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एंथ्रोपिक ने अपने उन्नत एआई मॉडल 'फेबल 5' और 'मिथोस 5' की वैश्विक पहुंच पर तत्काल प्रभाव से अस्थायी रोक लगा दी है। अमेरिका स्थित कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह निर्देश राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। इस तरह अमेरिका के भीतर या बाहर के किसी भी विदेशी नागरिक को इन एआई मॉडलों तक पहुंच देने पर रोक लगा दी गई है। एंथ्रोपिक ने कहा, "इस आदेश का समग्र प्रभाव यह है कि अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए हमें अपने सभी ग्राहकों के लिए फेबल 5 और मिथोस 5 मॉडलों को तुरंत निष्क्रिय करना पड़ा है। हालांकि, कंपनी के अन्य मॉडलों की उपलब्धता पर इसका असर नहीं पड़ेगा।" इस फैसले से भारत में मौजूद उपयोगकर्ताओं और उद्यमों पर असर पड़ने की आशंका है, क्योंकि भारत एंथ्रोपिक का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। कंपनी ने हाल ही में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के साथ 50,000 कर्मचारियों को अपने मॉडल उपलब्ध कराने का समझौता किया था, जबकि इन्फोसिस ने भी उन्नत उद्यम एआई समाधान के लिए साझेदारी की घोषणा की थी। सूत्रों का कहना है कि हाल में भारत की कुछ सरकारी एजेंसियों और निजी कंपनियों को भी 'प्रोजेक्ट ग्लासविंग' नामक साइबर सुरक्षा पहल के तहत 'मिथोस' मॉडल तक पहुंच दी गई थी। 'फेबल 5' मॉडल को कोड विश्लेषण, सॉफ्टवेयर खामियों की पहचान और उन्हें ठीक करने जैसी क्षमताओं के लिए विकसित किया गया है। इसका उपयोग साइबर सुरक्षा और उद्यम समाधान में किया जाता है। वहीं, 'मिथोस 5' मॉडल जटिल सिस्टम का विश्लेषण करने और संभावित कमजोरियों का आकलन करने में सक्षम है। इसकी क्षमताओं को देखते हुए इसे सीमित और नियंत्रित उपयोग के लिए ही उपलब्ध कराया गया था। एंथ्रोपिक ने कहा कि उसे 12 जून को अमेरिकी सरकार से यह निर्देश मिला था।हालांकि, इस पत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं का विस्तृत विवरण नहीं दिया गया।कंपनी के मुताबिक, सरकार का मानना है कि फेबल 5 मॉडल की सुरक्षा को दरकिनार करने के एक तरीके का पता चल गया है। इसके साथ ही एंथ्रोपिक ने इस आकलन से असहमति जताते हुए कहा कि संबंधित तकनीक सीमित एवं गैर-सार्वभौमिक है और इसी तरह की क्षमताएं अन्य एआई मॉडलों में भी उपलब्ध हैं। कंपनी ने अमेरिकी सरकार के इस कदम को गलतफहमी करार देते हुए कहा कि वह जल्द से जल्द सेवाएं बहाल करने के लिए प्रयासरत है। उसने अपने ग्राहकों से इस गतिरोध के लिए खेद भी जताया।

सेमीफाइनल में हारीं पीवी सिंधू, ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारत का अभियान समाप्त

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शनिवार को ऑस्ट्रेलिया बैडमिंटन ओपन के सेमीफाइनल में जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची से सीधे गेम में पराजित हो गईं जिससे इस भारतीय खिलाड़ी का बीडब्ल्यूएफ खिताब का इंतजार बरकरार रहा। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सिंधू को यहां तीसरी वरीयता मिली थी। उन्होंने पहले गेम में कड़ी टक्कर दी लेकिन 43 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी यामागुची से 20-22, 12-21 से हार गईं। सिंधू के बाहर होने के साथ ही इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया। सिंधू ने पहले गेम में यामागुची के हर शॉट का डटकर सामना किया। दोनों खिलाड़ियों ने लगातार छह-छह अंक हासिल किए, लेकिन भारतीय खिलाड़ी अपने गेम प्वाइंट को अंक में बदलने में नाकाम रही। यामागुची ने संयम बनाए रखते हुए पहला गेम जीत लिया। पर दूसरे गेम में खेल का रुख पूरी तरह बदल गया। यामागुची ने लगातार आठ अंक बनाकर 13-6 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में अपना दबदबा बनाए रखते हुए आसानी से मैच जीत लिया। अब जापानी खिलाड़ी महिला एकल के खिताबी मुकाबले में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ेंगी। सिंधू का इस हार के साथ यामागुची के खिलाफ हालिया संघर्ष जारी रहा।

इंग्लैंड ने पहले ही मैच में रचा इतिहास,

श्रीलंका को 87 रन से रौंदकर की धमाकेदार शुरुआत

मंधाना-शेफाली से दमदार शुरुआत की उम्मीद, पाकिस्तान से होगा मुकाबला

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को अपने अभियान की शुरुआत चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में मैदान पर उतरने वाली भारतीय टीम की नजरें लगातार दूसरे आईसीसी खिताब पर टिकी हैं। पिछले वर्ष वनडे विश्व कप जीतने के बाद टीम का मनोबल काफी ऊंचा है और वह टी20 प्रारूप में भी अपनी बादशाहत साबित करने के इरादे से उतरेगी। भारत का पाकिस्तान के खिलाफ टी20 क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड रहा है। दोनों टीमों के बीच खेले गए 16 मुकाबलों में भारतीय टीम ने 13 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि पाकिस्तान को केवल तीन मैचों में सफलता मिली है। पिछली बार 2024 के टी20 विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराया था।भारतीय टीम को एक बार फिर सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा से तेज शुरुआत की उम्मीद होगी। हालांकि हाल के मैचों में दोनों बल्लेबाज बड़ी पारियां खेलने में सफल नहीं रही हैं, लेकिन बड़े मुकाबलों में उनका अनुभव टीम के लिए अहम साबित हो सकता है। मध्यक्रम में कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रॉड्रिग्स, रिचा घोष और दीप्ति शर्मा पर रन बनाने की जिम्मेदारी होगी। दूसरी ओर पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ तेज अर्धशतक लगाकर अपनी क्षमता का परिचय दिया है। भारतीय गेंदबाजों के सामने उन्हें जल्दी आउट करने की चुनौती होगी। पाकिस्तान की बाएं हाथ की स्पिनर नशरा संधू भी भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकती हैं। टूर्नामेंट से पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और श्रीलंका के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, जिससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है।

वेस्टइंडीज ने चैंपियन न्यूजीलैंड को हराया, विश्व कप में जीत से किया आगाज

इंग्लैंड में वेस्टइंडीज ने महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज यादगार जीत के साथ किया है। साउथेम्प्टन के रोज बाउल मैदान पर खेले गए मुकाबले में कैरेबियाई टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। वेस्टइंडीज ने 163 रनों के लक्ष्य को 19.5 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल किया। टीम की इस जीत की नायक शेमेन कैम्पबेल रहीं, जिन्होंने दमदार पारी खेली। मैच जिताई पारी के बाद कैम्पबेल रोती हुई नजर आईं। न्यूजीलैंड से मिले 163 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कियाना जोसेफ महज 2 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद हेली मैथ्यूज और कैम्पबेल ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 61 गेंदों में 74 रनों की अहम साझेदारी निभाई। मैथ्यूज 37 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से 48 रन बनाकर आउट हुईं, हालांकि कैम्पबेल ने दूसरे छोर से अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी। कैम्पबेल ने 62 गेंदों का सामना करते हुए 90 रनों की नाबाद पारी खेली और वह टीम को जीत दिलाकर लौटीं। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 145 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 7 चौके और 3 गगनचुंबी छक्के लगाए। डिएंड्रा डॉटिन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि जाहजारा क्लैक्सटन 5 रन बनाकर नाबाद रहीं। गेंदबाजी में न्यूजीलैंड की ओर से जेस केर ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए। इससे पहले, न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 162 रन लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और जॉर्जिया प्लिमर महज 8 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद कप्तान अमेलिया केर सिर्फ 5 रन ही बना सकीं। सोफी डिवाइन ने आगाज तो दमदार किया, लेकिन वह 15 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हुईं। इसाबेला गेज ने 29 गेंदों में 8 चौकों की मदद से 39 रन बनाए।

'एक-एक मैच जीतना जरूरी', विश्व कप को लेकर बोले क्रिस्टियानो रोनाल्डो

पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो का मानना है कि उनकी टीम को विश्व कप फुटबॉल के खिताब के बारे में सोचने की बजाय अच्छी शुरुआत पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस 48 टीम के टूर्नामेंट में पुर्तगाल की टीम भी दावेदारों में शामिल है और 41 वर्षीय रोनाल्डो अपना छठा विश्व कप खेलेंगे, जो अर्जेंटीना के प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेस्सी के साथ सबसे अधिक विश्व कप खेलने का रिकॉर्ड है। रोनाल्डो ने कहा, "अच्छी शुरुआत करना, पहले और दूसरे मैच में अच्छा प्रदर्शन करना और फिर ग्रुप में पहले स्थान पर रहना महत्वपूर्ण है।" उन्होंने कहा, "इसके बाद हम केवल एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हमें धीरे-धीरे आगे बढ़ना होगा। अच्छी शुरुआत सबसे महत्वपूर्ण है।" पुर्तगाल ग्रुप के में अपना पहला मैच बुधवार को ह्यूस्टन में कांगो के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद उसकी टीम 23 जून को ह्यूस्टन में ही उज्बेकिस्तान से भिड़ेगी और 27 जून को मियामी में कोलंबिया के खिलाफ ग्रुप चरण का अपना अंतिम मैच खेलेगी। रोनाल्डो ने कहा, "टूर्नामेंट के आगे बढ़ने के साथ जब मुकाबला कड़ा हो जाएगा और मनोवैज्ञानिक और शारीरिक थकान अपना असर दिखाने लगेगी, तभी पता चलेगा कि असली चैंपियन कौन हैं।

सोशल मीडिया पर ट्रेंड हुआ 'महंगाई डायन खाए जात है...' गाना

पेट्रोल-डीजल की महंगाई पर मीम्स की बाढ़

मिडिल ईस्ट में बढ़े तनाव के बीच भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें पिछले 10 दिनों में चार बार बढ़ चुकी हैं. लगातार महंगे होते ईंधन के कारण आम लोगों में नाराजगी बढ़ रही है और सोशल मीडिया पर महंगाई को लेकर जमकर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं.

अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले के बाद मिडिल ईस्ट में बढ़े तनाव का असर अब दुनिया भर की अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है. एक्सपर्ट्स पहले ही चेतावनी दे चुके थे कि इस संघर्ष का असर सिर्फ युद्ध वाले क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा. अब भारत में भी इसकी झलक देखने को मिल रही है. लगातार बढ़ती तेल कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है और देश में महंगाई को लेकर चर्चा तेज हो गई है. पिछले 10 दिनों में तेल कंपनियों ने चौथी बार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की है. चार साल तक कीमतों को लगभग स्थिर रखने के बाद कंपनियों ने पहली बार 15 मई 2026 को ईंधन के दाम बढ़ाए थे. इसके बाद कीमतों में बढ़ोतरी का सिलसिला लगातार जारी है. अब तक चार चरणों में हुई बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल और डीजल 7 रूपये प्रति लीटर से ज्यादा महंगे हो चुके हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, 15 मई को पहली बार करीब 3 रूपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई थी. इसके बाद 19 मई और 23 मई को लगभग 90-90 पैसे दाम बढ़ाए गए. वहीं 25 मई को चौथी बार कीमतों में 2.46 से 2.87 रूपये प्रति लीटर तक का इजाफा किया गया. ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर अब सोशल मीडिया पर भी दिखाई दे रहा है. सोमवार (25 मई 2026) को जैसे ही नई कीमतों की खबर सामने आई, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लोगों ने नाराजगी जतानी शुरू कर दी. ⊙

आम लोगों के बजट पर पड़ रहा असर

तेजी से बढ़ती ईंधन कीमतों ने आम लोगों के बजट पर असर डालना शुरू कर दिया है और सोशल मीडिया पर महंगाई को लेकर बहस लगातार तेज होती जा रही है. तेल कंपनियों ने आज पेट्रोल ₹2.61 प्रति लीटर और डीजल ₹2.71 प्रति लीटर महंगा कर दिया है. इसके बाद दिल्ली में अब एक लीटर पेट्रोल की कीमत ₹102.12 और डीजल की कीमत ₹95.20 हो गई है. ⊙

7 साल यूरोप में बिताने के बाद भारत लौटना चाहता है NRI

यूरोप में पिछले 7 साल से रह रहे एक NRI का रेडिट पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. विदेश में शानदार जिंदगी, अच्छी नौकरी और विदेशी नागरिकता मिलने के बावजूद उसने भारत लौटने की इच्छा जाहिर की है. उसकी पोस्ट ने उन लोगों को खास तौर पर रिलेट कराया है, जो विदेश में रहते हुए अकेलेपन और अपनेपन की कमी महसूस करते हैं. 'टाइम हैज कम' टाइटल से लिखी गई पोस्ट में उस शख्स ने बताया कि उसने यूरोप में अपनी जिंदगी काफी हद तक सेट कर ली है. उसे विदेशी नागरिकता भी मिल चुकी है और जॉब भी अच्छी है. ⊙

सिर्फ पानी स्टोर करना नहीं, स्टेटस सिंबल हैं ये वॉटर टैंक

पंजाब में कैसे शुरू हुआ डिजाइनदार टंकियों का क्रेज

पंजाब की लस्सी, फुलकारी, मक्के की रोटी के साथ वहां के घरों में लगी पानी की टंकियां भी काफी फेमस हैं. खासकर जब आप जालंधर से गुजरते हैं तो घरों की छतों पर अजीब लेकिन दिलचस्प नजारे दिख जाएंगे.

कहीं छत पर हवाई जहाज खड़ा दिखाई देगा, कहीं विशाल शेर, कहीं ट्रैक्टर, तो कहीं फुटबॉल या पानी का जहाज. पहली नजर में ये किसी थीम पार्क का हिस्सा लगते हैं, लेकिन असल में ये हैं पानी की टंकियां. जालंधर में डिजाइनदार वॉटर टैंक सिर्फ पानी स्टोर करने का साधन नहीं, बल्कि लोगों की पहचान, स्टेटस और जिंदगी की कहानी का हिस्सा बन चुके हैं. ऐसे

में जानते हैं कि आखिर जालंधर में पानी की ऐसी डिजाइनदार टंकियां क्यों बनाई जाती है और अब दूसरे राज्यों में भी ऐसा होने लगा है.

जालंधर में इस अनोखे ट्रेंड की शुरुआत 1990 के दशक में मानी जाती है. बताया जाता है कि एक रिटायर्ड फौजी ने अपने घर की छत पर हवाई जहाज जैसी पानी की टंकी बनवाने का ऑर्डर दिया था. ⊙

शख्स ने किया गजब जुगाड़

भीषण गर्मी में स्कूटी बन गई चलता-फिरता AC

भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच सोशल मीडिया पर एक ऐसा देसी जुगाड़ वायरल हो रहा है, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहे एक वीडियो में एक युवक ने अपनी स्कूटी को ही चलता-फिरता 'देसी AC' बना दिया. खास बात यह है कि इस जुगाड़ को तैयार करने में सिर्फ 1500-1600 रुपये का खर्च आया. वीडियो को इंस्टाग्राम अकाउंट foodiehindustani24 से शेयर किया गया है, जिसे हजारों लोग देख चुके हैं. वीडियो में युवक स्कूटी पर बैठकर कहता है कि भाई साहब, ये कौन सा जुगाड़ कर दिया आपने? हमने स्कूटी का AC बना दिया है! इसके बाद वह अपने सेटअप का डेमो दिखाता है.

वीडियो में दिख रहा है कि स्कूटी पर एक पानी की बोतल फिट की गई है. इसके साथ छोटा मोटर, पाइप और नोजल लगाए गए हैं. स्कूटी चालू होने पर मोटर पानी को नोजल तक पहुंचाता है, जहां से हल्की फुहार निकलती है. चलती हवा के साथ यह पानी मिलकर ठंडक का एहसास देता है. युवक का दावा है कि इस सेटअप से "एकदम ठंडी-ठंडी हवा" मिलती है और तेज गर्मी में भी राहत महसूस होती है. वीडियो में स्कूटी चला रहा व्यक्ति काफी आरामदायक महसूस करता दिख रहा है. वीडियो के मुताबिक इस देसी AC को बनाने में करीब 1500 से 1600 रुपये का खर्च आया. इसमें इस्तेमाल हुई मुख्य चीजों में पानी की बोतल, छोटा इलेक्ट्रिक मोटर, नोजल और बेसिक वायरिंग शामिल हैं. ⊙

OTT पर छाई सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म 'द ममी'

डर और सस्पेंस से भरपूर कहानी ने दर्शकों को किया रोमांचित

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों सुपरनैचुरल हॉरर फिल्मों का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है और इसी कड़ी में वर्ष 2026 की चर्चित फिल्म 'द ममी' दर्शकों के बीच खास पहचान बना रही है। रिलीज के बाद से ही यह फिल्म लगातार सुर्खियों में बनी हुई है और हॉरर प्रेमियों की पसंदीदा फिल्मों की सूची में शामिल हो चुकी है। अपने रहस्यमय माहौल, रोमांचक घटनाक्रम और सस्पेंस से भरपूर कहानी के कारण यह फिल्म दर्शकों को शुरुआत से अंत तक बांधे रखने में सफल रही है।निर्देशक ली क्रोनिन द्वारा निर्देशित 'द ममी' एक सुपरनैचुरल हॉरर थ्रिलर है, जिसकी अवधि लगभग 2 घंटे 15 मिनट है। फिल्म की कहानी एक ऐसे अमेरिकी परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जिंदगी एक दर्दनाक घटना के बाद पूरी तरह बदल जाती है। कहानी में एक पत्रकार की बेटी केटी अचानक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो जाती है। परिवार वर्षों तक उसकी तलाश करता है, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिलता।आठ साल बाद जब केटी अचानक अपने परिवार के पास लौटती है तो शुरुआत में यह एक चमत्कार जैसा लगता है। परिवार अपनी बेटी को वापस पाकर बेहद खुश होता है, लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास होता है कि केटी पहले जैसी नहीं रही। उसकी वापसी के साथ घर में अजीब और डरावनी घटनाएं होने लगती हैं। धीरे-धीरे खुलासा होता है कि केटी पर 'नस्मारानियन' नामक एक प्राचीन और शक्तिशाली राक्षसी शक्ति का साया है, जो उसके माध्यम से भयावह घटनाओं को अंजाम दे रही है।फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसका डर पैदा करने वाला वातावरण और रहस्य से भरा कथानक है। निर्देशक ने कहानी को इस तरह प्रस्तुत किया है कि दर्शक हर दृश्य के साथ अगली घटना का अनुमान लगाने की कोशिश करते हैं, लेकिन कहानी बार-बार अप्रत्याशित मोड़ लेकर रोमांच को और बढ़ा देती है।फिल्म में जैक रेनोर, लिया कोस्टा, मे कैलामावी, नताली ग्रेस और वेरोनिका फाल्कन जैसे कलाकारों ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। सभी कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय ने कहानी को और अधिक विश्वसनीय और रोमांचक बना दिया है। विशेष रूप से मुख्य किरदारों की भावनात्मक और भयावह परिस्थितियों को पर्दे पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है।हालांकि 'द ममी' की कहानी पूरी तरह काल्पनिक है और किसी वास्तविक घटना पर आधारित नहीं है, लेकिन इसकी प्रस्तुति इतनी प्रभावशाली है कि दर्शक खुद को कहानी से जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। यही कारण है कि फिल्म को सोशल मीडिया और ओटीटी दर्शकों के बीच लगातार सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।अगर आप हॉरर, सस्पेंस और सुपरनैचुरल कहानियों के शौकीन हैं, तो 'द ममी' आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म Amazon Prime Video पर उपलब्ध है, जहां दर्शक घर बैठे इस रोमांचक हॉरर अनुभव का आनंद ले सकते हैं।

निवेश के नाम पर 5 लाख की लूट,

यूपी पुलिस का सिपाही समेत चार गिरफ्तार

लखनऊ में निवेश के नाम पर 5 लाख रुपये की लूट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने यूपी पुलिस के एक सिपाही समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक CRPF दरोगा और एक अन्य आरोपी अभी फरार हैं।

राजधानी लखनऊ में निवेश के नाम पर लोगों को फंसाकर लूटपाट करने वाले एक संगठित गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस मामले में यूपी पुलिस के एक सिपाही समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक CRPF दरोगा और एक अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।पुलिस के अनुसार, वृंदावन कॉलोनी निवासी प्रभाकर सिंह की शिकायत पर 11 जून को चिनहट कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि उनके भाई दिवाकर सिंह और उनके मित्र अनूप शुक्ला को एक निजी कंपनी में निवेश कर कम समय में रकम दोगुनी करने का लालच दिया गया था। आरोपियों ने दोनों को निवेश के लिए बुलाया और जब वे नकदी लेकर पहुंचे तो उन्हें बंधक बना लिया गया। इसके बाद आरोपियों ने उनसे करीब पांच लाख रुपये छीन लिए। विरोध करने पर दोनों के साथ मारपीट भी की गईजांच के दौरान सामने आया कि आरोपी खुद को पुलिस विभाग की विभिन्न शाखाओं का अधिकारी बताकर लोगों को डराते-धमकाते थे। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे एक सिंडिकेट के रूप में काम कर रहे थे। उनका तरीका था कि लोगों को आकर्षक निवेश योजनाओं का लालच देकर बुलाया जाए और फिर पुलिस अधिकारी होने का रौब दिखाकर उनसे धन उगाही की जाए। कई मामलों में वे सीधे लूटपाट की घटनाओं को भी अंजाम देते थे। डीसीपी पूर्वी दीक्षा शर्मा ने बताया कि मामले की जांच के दौरान CRPF में तैनात दरोगा जय प्रकाश यादव की संलिप्तता भी सामने आई है। वह फिलहाल फरार है। उसके अलावा आनंद दुबे नामक एक अन्य आरोपी भी इस मामले में नामजद है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने 12 जून की रात हरदासीखेड़ा नहर पुलिया के पास से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में गोरखपुर निवासी जावेद हुसैन और आसिफ, संतकबीरनगर निवासी प्रवेश त्रिपाठी तथा राजस्थान निवासी पूरन सिंह शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं, जिनके आधार पर पुलिस आगे की जांच कर रही है। डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पूरन सिंह वर्तमान में चिनहट कोतवाली में तैनात यूपी पुलिस का सिपाही है। इस खुलासे के बाद पुलिस विभाग में भी हलचल मच गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी अन्य जिलों और संबंधित एजेंसियों से भी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही पूरे गिरोह का नेटवर्क उजागर कर सभी आरोपियों को कानून के शिकंजे में लाया जाएगा।

दिल्ली में खराब मौसम का असर, 8 उड़ानें लखनऊ डायवर्ट

दिल्ली में शुक्रवार देर रात अचानक मौसम खराब होने से हवाई सेवाएं प्रभावित हुईं। खराब दृश्यता और प्रतिकूल मौसम के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान संचालन बाधित हो गया। इसके चलते विभिन्न शहरों से दिल्ली जा रही 8 उड़ानों को लखनऊ एयरपोर्ट के लिए डायवर्ट किया गया। मौसम सामान्य होने के बाद सभी विमानों को उनके गंतव्य दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में देर रात मौसम बिगड़ने के कारण एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने कई विमानों को लैंडिंग की अनुमति नहीं दी। यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत इन उड़ानों को निकटवर्ती हवाई अड्डों की ओर मोड़ा गया, जिनमें से आठ उड़ानें लखनऊ पहुंचीं। इसके अलावा आज सुबह शहर में आंधी-बारिश के चलते यहां से 5 फ्लाइट लेट उड़ान भर पाईं। डायवर्ट की गई उड़ानों में सबसे पहले एअर इंडिया की आंध्र प्रदेश से दिल्ली जा रही उड़ान एआई-2904 रात 12 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरी। इसमें 156 यात्री सवार थे। मौसम सामान्य होने पर इसे रात 1:42 बजे दिल्ली के लिए रवाना किया गया। इसके बाद अहमदाबाद से दिल्ली जा रही इंडिगो की उड़ान 6ई-932 रात 12:18 बजे लखनऊ पहुंची, जिसमें 230 यात्री थे। यह उड़ान रात 1:52 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई।

LDA में नौकरी और ठेका दिलाने के नाम पर 30 लाख की ठगी

लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) में नौकरी और सरकारी ठेका दिलाने का झांसा देकर मां-बेटे ने 30 लाख रुपए ठग लिए। पीड़ित ने धोखाधड़ी, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गोलागंज के बारूदखाना स्थित तकिया आजम बेग की रहने वाली पीड़ित वारिस एहसान खान ने पुलिस से की शिकायत में बताया- उनके दूर के रिश्तेदार सुमायरा रब्बानी उर्फ परवीन और उनके पुत्र अली अब्दुल्लाह ने एलडीए में नौकरी लगवाने और सरकारी ठेके दिलाने का भरोसा दिलाया था। सुमायरा एलडीए में कार्यरत बताई जाती हैं। पीड़ित का आरोप है कि उनकी बातों में आकर उन्होंने जनवरी 2024 में अली अब्दुल्लाह के आईसीआईसीआई बैंक खाते में 5 लाख रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद मार्च 2024 में 25 लाख रुपए नकद दिए। वारिस ने बताया कुछ समय बाद सुमायरा रब्बानी ने उन्हें एक पत्र दिया और कहा कि उनके कहने पर ही उसे लेकर एलडीए जाना। काफी समय बीतने के बाद जब उन्हें संदेह हुआ तो वह खुद एलडीए पहुंचे और पत्र की जांच कराई। वहां पता चला कि पत्र फर्जी है। पीड़ित का कहना है कि जब उन्होंने इस बारे में आरोपियों से बात की तो उन्होंने पत्र वापस मांग लिया, लेकिन उन्होंने पत्र नहीं लौटाया। वारिस का आरोप है कि न तो उन्हें एलडीए में नौकरी मिली और न ही किसी प्रकार का ठेका। इसके बाद उन्होंने अपने 30 लाख रुपए वापस मांगे, लेकिन आरोपी लगातार टालमटोल करते रहे। पीड़ित के मुताबिक, कई बार घर जाकर रकम लौटाने की मांग करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज की, धक्का देकर भगा दिया। इसके बाद फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी भी दी। कैसरबाग इंस्पेक्टर अंजनि मिश्रा ने बताया मुकदमा दर्ज करके जांच की जा रही है। आरोपियों को पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा।

लखनऊ में ट्रैफिक का दबाव बढ़ा, कमता तिराहे पर 800 मीटर लंबी कतार

लखनऊ में शनिवार दोपहर कमता तिराहे पर भीषण जाम लग गया। सुषमा हॉस्पिटल से लेकर कमता तिराहे तक करीब 800 मीटर लंबी वाहनों की कतार लगी रही। जाम में फंसे लोगों को 15 मिनट का सफर तय करने में करीब एक घंटे का समय लग गया। दोपहर करीब 1:30 बजे ट्रैफिक का दबाव अचानक बढ़ने से सड़क पर वाहन रेंगते नजर आए। हालात ऐसे रहे कि कमता चौराहे पर बने यू-टर्न का भी वाहन चालक इस्तेमाल नहीं कर सके। चारों ओर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। भीषण गर्मी के बीच जाम में फंसे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक लंबे समय तक सड़क पर फंसे रहे। कई लोग अपने गंतव्य तक पहुंचने में देरी होने से परेशान दिखे। वहीं, शहीद पथ पर भी ट्रैफिक का दबाव बना रहा। लगातार बढ़ते वाहनों के कारण कई स्थानों पर यातायात धीमी गति से चलता रहा। जाम के चलते राहगीरों और वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

लखनऊ में घटता गोमती का जलस्तर बना चिंता का विषय

लखनऊ की जीवनरेखा कही जाने वाली गोमती नदी इन दिनों गंभीर संकट का सामना कर रही है। लगातार घटते जलस्तर के कारण नदी कई स्थानों पर सूखी और सिकुड़ी हुई दिखाई दे रही है। हालात ऐसे हैं कि कई घाटों पर नदी की मुख्य धारा तक स्पष्ट रूप से नजर नहीं आ रही है। नदी के बीचोंबीच मिट्टी के टीले और रेतीले हिस्से उभर आए हैं, जो जलस्तर में आई भारी गिरावट की ओर संकेत करते हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से निकलने वाले गंदे नालों का पानी लगातार गोमती में गिराया जा रहा है। इससे नदी का जल न केवल कम हो रहा है, बल्कि उसकी गुणवत्ता भी तेजी से खराब होती जा रही है। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि पर्याप्त जल प्रवाह न होने और सीवेज के लगातार मिलते रहने से नदी का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। कुड़िया घाट, मेहंदी घाट, रिवर फ्रंट, मनकामेश्वर घाट, झूलेलाल घाट और गोबिंद बल्लभ पंत उपवन घाट जैसे प्रमुख स्थलों पर गोमती का पानी अत्यधिक दूषित हो चुका है। कई जगह पानी का रंग बदल गया है और बदबू भी महसूस की जा सकती है। इससे न केवल नदी के जलीय जीवों पर खतरा बढ़ रहा है, बल्कि आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

लखनऊ से जेवर एयरपोर्ट की पहली सीधी फ्लाइट 15 जून को भरेगी उड़ान

राजधानी लखनऊ और नोएडा के बीच हवाई संपर्क को मजबूत करने की दिशा में 15 जून को पहली विशेष सीधी उड़ान सेवा शुरू होने जा रही है। इंडिगो एयरलाइंस की इस उड़ान के जरिए यात्री करीब एक घंटे में नोएडा के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंच सकेंगे। एयरलाइन जल्द ही इस सेवा का नियमित शेड्यूल भी जारी कर सकती है। सूत्रों के अनुसार इंडिगो की उड़ान संख्या 6E-2278 15 जून को सुबह 7:05 बजे लखनऊ से उड़ान भरकर सुबह 8:05 बजे नोएडा (जेवर) एयरपोर्ट पहुंचेगी। वहीं वापसी में उड़ान संख्या 6E-2279 शाम 6:55 बजे जेवर एयरपोर्ट से रवाना होकर रात 8:00 बजे लखनऊ पहुंचेगी। वर्तमान बुकिंग के अनुसार लखनऊ से नोएडा के लिए इस विशेष उड़ान का किराया 7,697 रुपये निर्धारित है। वहीं नोएडा से लखनऊ वापसी यात्रा के लिए यात्रियों को 6,556 रुपये खर्च करने होंगे। किराए में समय के साथ बदलाव संभव है। एविएशन सूत्रों का कहना है कि 15 जून को विशेष उड़ान के संचालन के बाद इसे नियमित सेवा के रूप में शुरू करने की योजना है। यदि सब कुछ तय कार्यक्रम के अनुसार रहा तो आने वाले दिनों में यह उड़ान सप्ताह के सातों दिन संचालित हो सकती है। फिलहाल लखनऊ से नोएडा जाने वाले अधिकांश यात्रियों को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक जाना पड़ता है। वहां से सड़क मार्ग के जरिए नोएडा पहुंचने में अतिरिक्त समय और 250 से 300 रुपये तक का खर्च आता है। जेवर एयरपोर्ट के लिए सीधी उड़ान शुरू होने से यात्रियों को न केवल समय की बचत होगी बल्कि यात्रा भी अधिक सुविधाजनक हो जाएगी।

दिल्ली-नोएडा की आग की घटनाओं के बाद उन्नाव में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था सख्त, होटलों का हुआ निरीक्षण

दिल्ली और नोएडा में हाल ही में हुई भीषण आग की घटनाओं से सबक लेते हुए उन्नाव जिला प्रशासन ने जनपद में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा के निर्देश पर अग्निशमन विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम ने शुक्लागंज क्षेत्र के विभिन्न होटलों में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन जांच की। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अनूप सिंह और मजिस्ट्रेट आनंद नायक के नेतृत्व में गठित टीम ने शुक्लागंज स्थित सूर्य गैलेक्सी होटल, आवा कॉन्टिनेंटल, गुड्डन टावर होटल तथा होटल हवेली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने होटल परिसरों में उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों, फायर एग्जिट, आपातकालीन निकास मार्गों, विद्युत व्यवस्थाओं तथा अन्य सुरक्षा मानकों का बारीकी से परीक्षण किया। अधिकारियों ने यह भी सुनिश्चित किया कि सभी प्रतिष्ठानों में अग्निशमन विभाग से प्राप्त अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) और अन्य आवश्यक दस्तावेज अद्यतन एवं वैध हों। दस्तावेजों की गहन जांच के साथ-साथ सुरक्षा उपकरणों की कार्यक्षमता और उनके नियमित रखरखाव की स्थिति का भी मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के दौरान होटल संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे अग्नि सुरक्षा मानकों का पूरी गंभीरता से पालन करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें।

अधिकारियों ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि फायर एक्सटिंग्विशर, हाइड्रेंट और अन्य सुरक्षा उपकरण हमेशा कार्यशील स्थिति में रहें। साथ ही कर्मचारियों को समय-समय पर आग से बचाव, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया संबंधी प्रशिक्षण भी दिया जाए। जांच के दौरान जिन प्रतिष्ठानों में सुरक्षा संबंधी कमियां पाई गईं, उन्हें तत्काल दूर करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा में कमियों को दूर नहीं किया गया या भविष्य में किसी प्रकार की लापरवाही सामने आई, तो संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनूप सिंह ने कहा कि आग की घटनाओं को रोकने के लिए केवल उपकरणों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका नियमित रखरखाव और कर्मचारियों की जागरूकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जन सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।वहीं, अग्निशमन विभाग के एफएसओ राम मिलन भारती ने बताया कि जहां-जहां सुरक्षा मानकों में कमी पाई जा रही है, वहां आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि विभाग लगातार निगरानी बनाए हुए है ताकि भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।जिला प्रशासन के अनुसार जनपद के सभी प्रमुख होटल, मैरिज लॉन, रेस्टोरेंट और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच का अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रशासन का उद्देश्य संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह अभियान जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा

उन्नाव में गंगा एक्सप्रेस-वे पर हादसा हो गया। गंगा एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इससे कार सवार 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 2 ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। मरने वाले सभी कारोबारी थे और शिमला घूमने जा रहे थे। उनका आखिरी वीडियो भी सामने आया है। जिसमें वे कार में बैठे थे। सभी हंसते-गाते हुए जा रहे थे। घटना दोपहर करीब साढ़े तीन बजे थाना आसीवन क्षेत्र में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय कार की स्पीड करीब 100 किमी प्रति घंटे की रही होगी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। अगला हिस्सा बुरी तरह पिचक गया। कार में बैठे लोग सीटों से चिपक गए थे। दरवाजे काटकर लोगों को कार से बाहर निकाला गया। हादसे में मरने वाले चारों युवकों की शिनाख्त पुलिस ने कर ली है। इनमें फूलपुर के जाफरपुर निवासी उदय सिंह (26), अनुपम गुप्ता (32) और बाबूगंज कस्बा निवासी विजय (25) और प्रतापगढ़ के मांधाता के रहने वाले अमन (28) शामिल हैं। अमन की रिश्तेदारी बाबूगंज फूलपुर में हैं। वह रिश्तेदारी में रह रहा था। यहीं से दोस्तों के साथ शिमला के लिए निकला था। अनुपम की मोबाइल शॉप है, जबकि विजय टेंट हाउस का कारोबार कर रहे थे। उदय की जूते-चप्पलों की शॉप है। अमन की भी प्रतापगढ़ में कई दुकानें हैं। हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे पर लोगों की भीड़ लग गई। राहगीरों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी।

सरकारी भूमि पर अवैध प्लाटिंग का आरोप

उन्नाव के ग्राम कटरी पीपर खेड़ा में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और प्लाटिंग की शिकायत मिली थी। इसके बाद राजस्व एवं सर्वे विभाग की एक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। कार्रवाई के दौरान कथित रूप से अवैध निर्माण करा रहे अज्ञात भूमाफिया मौके से फरार हो गए। टीम ने निर्माण स्थल पर नोटिस चस्पा कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन को शिकायत मिली थी कि ग्राम कटरी पीपर खेड़ा स्थित सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज परती भूमि संख्या 2078 (क) पर अवैध रूप से प्लाटिंग की जा रही है और बहुमंजिला इमारतों का निर्माण कराया जा रहा है। जांच के दौरान टीम को मौके पर कई मजदूर निर्माण कार्य करते हुए मिले। अधिकारियों के पहुंचने की सूचना मिलते ही कथित भूमाफिया मौके से फरार हो गए। टीम ने निर्माण कार्य से संबंधित जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर कोई जिम्मेदार व्यक्ति मौजूद नहीं था। सर्वे एवं राजस्व विभाग की टीम ने अज्ञात निर्माणकर्ता के नाम नोटिस चस्पा किया। इसमें अवैध निर्माण को तत्काल रोकने के निर्देश दिए गए हैं। जाजमऊ चौकी पुलिस को भी मामले की जानकारी देकर निर्माण कार्य पर निगरानी रखने को कहा गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भूमि अभिलेखों की जांच के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग और सरकारी जमीनों पर कब्जे की शिकायतों के मद्देनजर प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, लंबे समय से क्षेत्र में सरकारी जमीनों पर अवैध गतिविधियों की चर्चा थी। प्रशासनिक टीम की इस कार्रवाई के बाद ऐसे लोगों में हड़कंप मच गया है। राजस्व विभाग पूरे मामले की गहनता से जांच कर रहा है।

उन्नाव में बदला मौसम का मिजाज, तेज आंधी और बारिश से गर्मी से मिली राहत

उन्नाव जिले में शनिवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। तेज हवाओं के साथ कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई, जिससे भीषण गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली। सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे। कुछ ही देर बाद तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। शहर के साथ-साथ शुक्लागंज क्षेत्र में भी तेज हवाओं और बारिश का असर देखा गया। पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज गर्मी के बाद हुई इस बारिश ने लोगों को बड़ी राहत दी। सुबह का तापमान लगभग 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, दिन का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। बारिश और ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सुबह तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू होने से शहर की सड़कों पर चहल-पहल कम रही। कई स्थानों पर लोग बारिश से बचने के लिए दुकानों और अन्य सुरक्षित जगहों पर रुकते हुए दिखाई दिए। इस बारिश का सबसे अधिक फायदा किसानों को मिलने की उम्मीद है। खेतों में खड़ी फसलों के लिए यह पानी काफी उपयोगी बताया जा रहा है। किसानों का कहना है कि बारिश से मिट्टी में नमी बढ़ेगी और फसलों की बढ़वार में मदद मिलेगी। खासकर धान की खेती की तैयारी कर रहे किसानों के लिए यह बारिश लाभकारी साबित हो सकती है। किसान सुरेश, महेश और गंगा सागर ने बताया कि लगातार बढ़ती गर्मी के कारण खेतों में नमी कम हो रही थी, जिससे सिंचाई की आवश्यकता बढ़ गई थी। बारिश होने से अब खेतों में पानी की उपलब्धता बेहतर होगी और फसलों को लाभ मिलेगा। हालांकि तेज हवाओं के कारण कुछ स्थानों पर पेड़ों की टहनियां टूटने और बिजली व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका भी बनी रही। प्रशासन की ओर से मौसम को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। मौसम में आए इस बदलाव से जहां आम लोगों को गर्मी से राहत मिली है, वहीं किसानों को अच्छी बारिश की उम्मीद जगी है। लोगों का कहना है कि अगर आने वाले दिनों में भी इसी तरह बारिश होती रही तो गर्मी से काफी राहत मिलेगी और खेती-किसानी को भी फायदा होगा।

उन्नाव में खेत विवाद में महिलाओं-बच्चों समेत 12 लोग घायल

उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी शनिवार को उन्नाव के गदनखेड़ा पहुंचे। उन्होंने यहां सद्भावना मंडप का उद्घाटन किया और एक अभिनंदन समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार की योजनाओं और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बताया कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा बनाए जा रहे सद्भावना मंडप का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इन मंडपों से लोगों को शादी-विवाह और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के लिए कम खर्च में बेहतर सुविधा मिल सकेगी। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग लगातार विकास कार्य कर रहा है। वर्ष 2022 से अब तक प्रदेश में 1000 से अधिक परियोजनाएं पूरी की गई हैं। इनमें सद्भावना मंडप, पॉलिटेक्निक कॉलेज, आईटीआई, डिग्री कॉलेज, सीएससी और पीएससी जैसे कई निर्माण कार्य शामिल हैं। उन्होंने रामपुर में लगभग 98 करोड़ रुपये की लागत से सद्भावना मंडप और बरेली में 130 करोड़ रुपये की लागत से यूनानी मेडिकल कॉलेज के निर्माण का उल्लेख किया। इसके अतिरिक्त, मऊ में भी आईटीआई और पॉलिटेक्निक स्कूल बनाए गए हैं। मंत्री ने जोर दिया कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर जनपद में बेहतर बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराना है, जिससे समाज के सभी वर्गों को लाभ मिल सके।उन्होंने रामपुर में लगभग 98 करोड़ रुपये की लागत से सद्भावना मंडप और बरेली में 130 करोड़ रुपये की लागत से यूनानी मेडिकल कॉलेज के निर्माण का उल्लेख किया। इसके अतिरिक्त, मऊ में भी आईटीआई और पॉलिटेक्निक स्कूल बनाए गए हैं। मंत्री ने जोर दिया कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर जनपद में बेहतर बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराना है, जिससे समाज के सभी वर्गों को लाभ मिल सके।

सड़क हादसे में घायल युवक के लिए बनी जीवन रक्षक डायल 112, पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

उन्नाव में कानपुर-लखनऊ नेशनल हाईवे पर हुए एक सड़क हादसे में डायल 112 पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को समय पर अस्पताल पहुंचाकर मदद की। यह घटना शुक्रवार रात उन्नाव सदर कोतवाली क्षेत्र के नरी के पास शेखपुरा नदी के आगे अंश धर्म कांटे के निकट हुई। जानकारी के अनुसार, गदन खेड़ा बाईपास निवासी शिवम पाल (पुत्र हरि प्रसाद) अपने पिता को खाना देने के लिए बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान हाईवे पर उनकी तेज रफ्तार बुलेट बाइक अनियंत्रित हो गई और आगे चल रहे एक कंटेनर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार शिवम पाल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। हालांकि, स्थानीय लोगों के मुताबिक, एंबुलेंस को सूचना देने के बावजूद वह करीब 40 मिनट तक मौके पर नहीं पहुंच सकी, जिससे घायल युवक सड़क पर पड़ा रहा। घायल युवक की गंभीर हालत और एंबुलेंस की देरी को देखते हुए, डायल 112 के पुलिस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसे अपनी सरकारी गाड़ी से जिला अस्पताल पहुंचाया। इस त्वरित कार्रवाई से शिवम को समय पर उपचार मिल सका।

'किसी भी बेटी का अपमान बर्दाश्त नहीं', आजमगढ़ से सीएम योगी का बड़ा संदेश

अदिति यादव पर सोशल मीडिया में अभद्र टिप्पणी के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेटियों का सम्मान सर्वोपरि है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव को लेकर सोशल मीडिया पर की गई अभद्र और भ्रामक टिप्पणी के मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक बेहद बड़ा और कड़ा बयान सामने आया है। आजमगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने साफ शब्दों में कहा कि बेटियों का सम्मान हर हाल में होना चाहिए और उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की ओछी हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मंच से कहा कि जैसे ही यह पूरा मामला उनके संज्ञान में आया, उन्होंने यूपी पुलिस को तत्काल प्रभाव से मुकदमा (FIR) दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए नारी सुरक्षा और संस्कारों पर जोर दिया। सीएम योगी ने कहा कि मैं पिछले दिनों देख रहा था कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ कुछ लोगों ने बेहद गलत और भ्रामक टिप्पणियां की थीं। जैसे ही यह विषय मेरे संज्ञान में आया, मैंने तत्काल पुलिस अधिकारियों से कहा कि इस मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज करो। किसी भी बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी कतई स्वीकार नहीं है। बेटी तो बेटी होती है। हम सब तो उस सनातन और भारतीय संस्कार में पले-बढ़े हैं, जहां माना जाता है कि गांव की बेटी यानी सबकी बेटी, और गांव की बहन यानी सबकी बहन। हमने कार्रवाई करने में कोई भेदभाव नहीं किया। दोषियों पर कानूनी हंटर चलाने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को भी आड़े हाथों लिया और कड़े लहजे में नसीहत दे डाली। सीएम योगी ने कहा कि अखिलेश जी दूसरों को तो बड़ा उपदेश देते हैं, लेकिन अच्छा होगा कि वे अपने 'चेले-चपाटों' को भी थोड़ा उपदेश दें कि वे अपनी भाषा को मर्यादित और संयमित रखें। सीएम ने आगे कहा कि दूसरों के ऊपर उंगली उठाने या टिप्पणी करने से पहले स्वयं भी सोचना चाहिए कि उनके अपने लोग किस प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग माताओं, बहनों, बुजुर्गों और वरिष्ठ नेताओं के प्रति करते हैं। अखिलेश जी अपने लोगों को संस्कारित करें, उन्हें समझाएं। और अगर वे अपने लोगों को नहीं समझा सकते या संभाल सकते, तो उन्हें हमारे हवाले कर दें, हम उन्हें बहुत अच्छी तरह समझा देंगे।

IPS अधिकारी के पिता से 2.27 करोड़ की ठगी

बाराबंकी में जमीन दिलाने के नाम पर प्रॉपर्टी डीलरों ने एक आईपीएस अधिकारी के पिता से करोड़ों रुपये की ठगी कर ली। आरोप है कि 2.27 करोड़ रुपये लेने के बाद जमीन किसी और को बेच दी गई और रकम दुबई में निवेश कर दी गई। करीब दो साल तक रुपये वापस लेने के प्रयास के बाद पीड़ित को सिर्फ 1.05 करोड़ रुपये लौटाए गए। आरोपियों ने बाकी रकम देने से इनकार कर दिया। मामले में पीड़ित ने दंपती समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस जांच में जुट गई है। कोतवाली नगर क्षेत्र की मयूर विहार कॉलोनी ओबरी निवासी राधाकांत शुक्ल ने शिकायत में बताया कि उनके बेटे आदर्श कांत शुक्ला आईपीएस अधिकारी हैं। वर्तमान में भोपाल में डीसीपी पद पर तैनात हैं। राधाकांत के मुताबिक, मयूर विहार कॉलोनी में जमीन खरीदने के लिए उन्होंने विवेक गुप्ता के माध्यम से निवेद प्रताप सिंह उर्फ गोलू, उसकी मां भावना रानी, पत्नी शुभी सिंह और विशाल नामक युवक को छह सालों में कुल 2.27 करोड़ रुपये दिए थे।बाराबंकी में जमीन दिलाने के नाम पर प्रॉपर्टी डीलरों ने एक आईपीएस अधिकारी के पिता से करोड़ों रुपये की ठगी कर ली। आरोप है कि 2.27 करोड़ रुपये लेने के बाद जमीन किसी और को बेच दी गई और रकम दुबई में निवेश कर दी गई। करीब दो साल तक रुपये वापस लेने के प्रयास के बाद पीड़ित को सिर्फ 1.05 करोड़ रुपये लौटाए गए। आरोपियों ने बाकी रकम देने से इनकार कर दिया। मामले में पीड़ित ने दंपती समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस जांच में जुट गई है।

फतेहपुर में बहन की हत्या कर चौकी पहुंचा भाई

फतेहपुर में अफेयर के शक में भाई ने बहन की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद लाश जंगल में बने एक कुएं में फेंक दी। रात भर भाई जंगल में ही रहा। फिर सुबह 7 बजे खुद ही पुलिस चौकी जा पहुंचा और बोला- मैंने अपनी बहन को मार डाला है। फोरेंसिक टीम के साथ पुलिस मौके पर पहुंची और कुएं से लाश निकाली। 1 मई को ही लड़की की शादी हुई थी। युवक को शक था कि शादी के बाद भी बहन अपने प्रेमी से बात करती है। वह 2 दिन पहले अहमदाबाद से फतेहपुर पहुंचा था। मामला थरियांव थाना क्षेत्र का है।हसवा कस्बे के धनवा गांव के रहने वाले शिव सिंह यादव मजदूरी करते हैं। परिवार में 3 बेटे और 3 बेटियां हैं। रंजू यादव (19) की शादी 1 मई को सोनई बड़नपुर के रहने वाले पिंटू उर्फ अजय यादव से हुई थी। रंजू दूसरे समुदाय के एक युवक से बात करती थी। यह बात परिवारवालों को भी पता चल गई थी। इसी के चलते घरवालों ने जल्दी ही रिश्ता देखकर रंजू की शादी करवा दी। रंजू भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर थी, जबकि संदीप (22) दूसरे नंबर का है। संदीप अहमदाबाद में रहकर एक फैक्ट्री में काम करता है। बहन की शादी होने के बाद वह फिर से काम पर अहमदाबाद चला गया था। संदीप को शक हुआ कि बहन अभी भी अपने प्रेमी से बात करती है। वह दोबारा उसके साथ जाने की प्लानिंग कर रही है। इसका पता चलते ही 2 दिन पहले संदीप अहमदाबाद से घर आने के लिए निकला। लेकिन, घर न जाकर वो सीधा बहन की ससुराल सोनई गांव पहुंच गया। वहां उसने बहन को मायके ले जाने की बात कही।

यूपी में प्री-मानसून का असर तेज, 25 शहरों में बारिश और आंधी

यूपी में प्री-मानसून एक्टिव हो गया है। शनिवार सुबह कानपुर-अयोध्या, उन्नाव समेत 25 शहरों में बारिश हुई। वाराणसी में दोपहर साढ़े 12 बजे तूफान आया। इससे होल्डिंग उड़ गई।प्रतापगढ़ मेडिकल कॉलेज परिसर में बारिश का पानी भर गया। जौनपुर, गाजीपुर, बस्ती और बलिया में करीब एक घंटे तक बारिश हुई। इससे पहले, लखनऊ में सुबह 7:45 बजे अंधेरा छा गया। तूफान आया और झमाझम बारिश हुई। कौशांबी, गोरखपुर और उन्नाव में धूलभरी आंधी चली।हाथरस में इतनी बारिश हुई कि कोतवाली सदर में पानी भर गया। सड़कों पर जलभराव हो गया। कानपुर में घरों में बारिश का पानी घुस गया। हरदोई में भी कई सड़कें पानी से लबालब नजर आईं। बारिश से जुड़े हादसों में 4 लोगों की जान चली गई है। उन्नाव और गाजीपुर में आकाशीय बिजली गिरने से एक-एक किसान की मौत हो गई। कासगंज में आंधी-बारिश के दौरान मकान का लेंटर गिरने से पति-पत्नी और बेटी की मौत हो गई।आज 54 जिलों में बारिश का अलर्ट है। 22 शहरों में आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की गई है। IMD के मुताबिक, प्रदेश में एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हुआ है। इसके असर से प्री-मानसून ने जोर पकड़ लिया है। ऐसे में आंधी और बारिश का सिलसिला फिलहाल जारी रहेगा। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के 15 शहरों में बारिश हुई। 40.8 डिग्री तापमान के साथ जालौन सबसे गर्म रहा।